भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 5081
दिनांक 24 मार्च, 2026 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम

5081. डॉ. राजेश मिश्राः
श्री अनन्त नायकः
श्रीमती संजना जाटवः
श्री खगेन मुर्मुः
श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रहीः
श्री हरीभाई पटेलः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के अंतर्गत आज की तिथि तक ओडिशा, राजस्थान सहित राज्य-वार विशेषकर ओडिशा के क्योंझर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र और राजस्थान के भरतपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल कितने गोपशुओं को खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) का टीका लगाया गया है;
(ख) उक्त स्थानों पर ब्रुसेलोसिस टीकाकरण कवरेज के लक्ष्य को किस प्रकार प्राप्त किया गया है;
(ग) क्या टीकाकरण के व्यापक अभियान के बाद इन बीमारियों के मामलों में कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) देश भर में ईयर टैगिंग कार्य सहित कितने पशुधन की डिजिटल पहचान की गई है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है तथा उक्त स्थान पर पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और पशुधन उत्पादकता में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख): पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के अंतर्गत खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) तथा ब्रुसेलोसिस के लिए टीकाकरण के संबंध में संबंधित राज्य द्वारा राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM) पोर्टल पर अपलोड की गई जानकारी के अनुसार, आज तक (दिनांक 19.03.2026) ओडिशा (क्योंझर निर्वाचन क्षेत्र) और राजस्थान (भरतपुर निर्वाचन क्षेत्र) जैसे राज्यों सहित देशभर में ब्रुसेलोसिस के आंकड़े अनुबंध-I, (क और ख) में दिए गए हैं।

(ग) भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) ने गोपशुओं, भैंसों, भेड़ों और बकरियों में FMD के लिए द्विवार्षिक टीकाकरण और 4 से 8 महीने की बोवाईन बछड़ियों में ब्रुसेलोसिस के लिए जीवन में एक बार टीकाकरण के साथ सामूहिक टीकाकरण कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित किया है, जिससे पशुधन रोगों के प्रसार और रोग प्रकोपों की संख्या में प्रभावी रूप से कमी आई है। खुरपका और मंहपका रोग (FMD) से संबंधित निगरानी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021-23 के दौरान औसत नॉन-स्ट्रक्चरल प्रोटीन (NSP) एंटीबॉडी की व्यापकता 16% से घटकर 7.8% हो गई है। इसके अलावा, भारत में FMD के तीन स्ट्रेन (ओ, ए और एशिया 1) में से, वर्ष 2024 से एशिया 1 स्ट्रेन के किसी प्रकोप की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। FMD के प्रकोपों की संख्या वर्ष 2019 में 132 से घटकर वर्ष 2025 में 40 हो गई है। इसी तरह, ब्रुसेलोसिस के प्रकोप वर्ष 2019 में 22 से घटकर वर्ष 2025 में 6 रह गए हैं।

(घ) पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारत सरकार ने पहचान और ट्रेसेबिलिटी के लिए प्रत्येक पशु को एक विशिष्ट 12 अंकों का टैग ID आवंटित करके "भारत पशुधन" नामक डिजिटल डेटाबेस विकसित किया है। भेड़ और बकरी के मामले में, झुंड के एक प्रतिनिधि पशु को टैग लगाकर झुंड का पंजीकरण किया जाता है। अब तक देश में भारत पशुधन पोर्टल पर 36.81 करोड़ पशु पंजीकृत हो चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करने और पशुधन उत्पादकता में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण नीचे दिया गया है:

i. पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) योजना के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को पशुपालन की अच्छी प्रथाओं, जैव सुरक्षा/स्वच्छता उपायों, पशु रोगों के लिए टीकाकरण, रोग निगरानी और मॉनिटरिंग तथा क्षमता निर्माण संबंधी प्रशिक्षण और जागरूकता के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जो पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता को बढ़ावा देती है।
ii. भारत में पशु चिकित्सा अवसंरचना के न्यूनतम मानकों के लिए दिशानिर्देश तैयार कर इन्हें अपनाने और आवश्यक कार्रवाई करने के अनुरोध के साथ राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भेज दिया गया है।
iii. इस योजना के अंर्तगत, गुणवत्तापूर्ण टीकों की केंद्रीकृत खरीद और आवश्यकतानुसार आपूर्ति के साथ-साथ हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने सहित पशुओं को चार प्रमुख रोगों, अर्थात् खुरपका और मुंहपका रोग (FMD), ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR) और क्लासिकल स्वाइन ज्वर (CSF) के टीकाकरण हेतु 100% केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है।
iv. पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के पशु चिकित्सा अस्पताल और औषधालय (ESVHD-MVU) स्थापना और सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत, MVU के जमीनी संचालन के लिए साझा आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आवर्ती वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अब तक, देश के 29 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कुल 4019 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां (MVU) परिचालित की जा चुकी हैं।
v. पशुधन और पोल्ट्री के लिए 'मानक पशु चिकित्सा उपचार दिशानिर्देश (SVTG) तैयार किए गए हैं, ताकि पशु चिकित्सा देखभाल में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा दिया जा सके और पशुधन के स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण को बेहतर बनाया जा सके, साथ ही रोगाणुरोधी दवाओं सहित दवाओं का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।
vi. राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP) के अंर्तगत, उच्च गुणता वाले सांडों के सीमन का उपयोग करते हुए, कृत्रिम गर्भाधान (AI) सेवाएं किसानों के घर पर निशुल्क प्रदान की जाती हैं।
vii. त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम के अंर्तगत, सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग 90% तक सटीकता के साथ बछड़ियों के उत्पादन के उद्देश्य से किया जाता है, जिससे दुधारू गोपशुओं की संख्या, नस्ल सुधार, उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि होती है।
viii. देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं के प्रसार के लिए, विभाग द्वारा देश भर में 24 IVF प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।
ix. विभाग ने देशी गोपशुओं के लिए गौ चिप और देशी भैंसों के लिए महिष चिप नामक एकीकृत जीनोमिक चिप्स विकसित किए हैं, जिन्हें विशेष रूप से देश में उच्च आनुवंशिक गुणता वाले पशुओं के जीनोमिक चयन को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
x. ग्रामीण भारत में सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों/बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (MAITRIs) को किसानों के घर पर ही गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया गया है।

*****

अनुबंध- I, क

पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के अंतर्गत, ओडिशा (क्योंझर निर्वाचन क्षेत्र) और राजस्थान (भरतपुर निर्वाचन क्षेत्र) जैसे राज्यों सहित देश भर में, वर्ष 2021-22 से लेकर आज तक (दिनांक 19.03.2026) खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) के लिए टीकाकरण का विवरण:

क्र सं.	**राज्य**	**कुल**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	55,409
2	आंध्र प्रदेश	6,48,87,281
3	अरुणाचल प्रदेश	13,14,903
4	असम	2,66,46,016
5	बिहार	8,20,41,393
6	चंडीगढ़	1,31,049
7	छत्तीसगढ़	4,76,68,864
8	दिल्ली	6,28,679
9	गोवा	3,37,870
10	गुजरात	11,83,35,276
11	हरियाणा	2,83,13,484
12	हिमाचल प्रदेश	1,09,38,923
13	जम्मू और कश्मीर	3,12,44,085
14	झारखंड	2,44,74,055
15	कर्नाटक	7,43,44,153
16	केरल	58,94,134
17	लद्दाख	13,06,988
18	लक्षद्वीप	2,733
19	मध्य प्रदेश	14,00,48,640
20	महाराष्ट्र	12,06,22,648
21	मणिपुर	9,31,461
22	मेघालय	15,45,846
23	मिजोरम	74,972
24	नागालैंड	3,50,420
25	**ओडिशा** (**क्योंझर**)	**5,43,73,477(3112327)**
26	पुदुचेरी	3,65,563
27	पंजाब	3,70,11,060
28	**राजस्थान** (**भरतपुर**)	**8,44,06,660 (3010751)**
29	सिक्किम	2,81,016
30	तमिलनाडु	6,64,02,021
31	तेलंगाना	3,63,55,901
32	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	88,065
33	त्रिपुरा	30,27,481
34	उत्तर प्रदेश	16,31,66,496
35	उत्तराखंड	1,77,30,228
36	पश्चिम बंगाल	7,97,11,306

अनुबंध- I, ख

पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के अंतर्गत, ओडिशा (क्योंझर निर्वाचन क्षेत्र) और राजस्थान (भरतपुर निर्वाचन क्षेत्र) जैसे राज्यों सहित देश में, वर्ष 2021-22 से लेकर आज तक (दिनांक 19.03.2026) ब्रुसेलोसिस के लिए टीकाकरण का विवरण:

क्र.सं.	**राज्य**	**कुल**
1	पश्चिम बंगाल	36,68,437
2	मध्य प्रदेश	33,62,104
3	बिहार	32,79,087
4	आंध्र प्रदेश	29,36,084
5	उत्तर प्रदेश	24,95,402
6	गुजरात	24,61,151
7	कर्नाटक	24,22,377
8	तमिलनाडु	23,16,729
9	महाराष्ट्र	21,42,880
10	**राजस्थान** (**भरतपुर**)	**12,45,297 (63775)**
11	**ओडिशा** (**क्योंझर)**	**11,35,809 (58457)**
12	तेलंगाना	7,49,817
13	पंजाब	7,38,508
14	छत्तीसगढ़	6,41,982
15	हरियाणा	6,36,701
16	झारखंड	5,14,039
17	असम	3,48,746
18	उत्तराखंड	2,39,730
19	जम्मू और कश्मीर	1,93,319
20	हिमाचल प्रदेश	84,352
21	केरल	30,280
22	दिल्ली	23,373
23	अरुणाचल प्रदेश	16,476
24	मेघालय	15,881
25	चंडीगढ़	6,897
26	लद्दाख	5,169
27	गोवा	3,160
28	मणिपुर	3,141
29	नागालैंड	3,064
30	त्रिपुरा	2,988
31	सिक्किम	1,950
32	मिजोरम	654
33	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	315
34	पुदुचेरी	174